वार्षिक प्रगति आख्या

वर्ष 2016–17

हिमाद समिति

निकट गणेश मन्दिर गोपेश्वर चमोली उत्तराखंण्ड पिन कोड नं0 246401
फोन न0. 911372253068, 253067, 253069, फैक्स न0. 91137225306
ई मेल : himadsamiti@gmail.com
Web page -: www.himad.org

भूमिका

हिमाद समिति विगत 20 वर्षों से सामाजिक क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के माध्यम से जन जागरूकता के कार्यक्रम करता आया है। जिसमें गरीब एवं हाशिये पर रह रहे लोगों के सामाजिक एवं आर्थिक जीवन में सुधार हेतु प्रयास किये जा रहे हैं। जिसके तहत विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से समुदाय में सामाजिक सरोकार के काम को मजबूती प्रदान करने के लिए समूहों व व्यक्तियो के दृष्टिकोण निर्माण एवं कार्यनीति बनाने और उसे समृद्व करने में मदद करना। जानकारी ज्ञान एवं सूचना विकास के लिए सामाजिक समूहों की नेटवर्किंग कर उसमें बढ़ोत्तरी करना तथा समुदाय को संगठित कर उनमें लोकतान्त्रिक प्रक्रिया को संचालित करने हेतु तैयार करना। तथा समुदाय में व्याप्त कुरीतियों, लिंगभेद, जाति भेद, जेण्डर विभेद, शोषण, गरीबी, आत्म निर्भर व भेदभाव रहित लोकतान्त्रिक समाज बनाने के लिए संवेदित करना। तथा उपलब्ध आधार भूत सुविधाओं के बेहतर उपयोग एवं शासन प्रशासन के साथ समन्वयन हेतु वातावरण तैयार करने का काम तथा बाल अधिकारों के क्षेत्र में बच्चों के सर्वांगीण विकास, जीवन, एवं भागीदारी के लिए पैरवी का कार्य करता आया है।

चाइल्ड लाईन सेवा 1098 कार्यक्रम

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित समेकित बाल सुरक्षा कार्यक्रम का संचालन वर्ष 2009 में किया गया। नोडल एजेंन्सी चाइल्ड इण्डिया फाउण्डेशन के सहयोग से चाइल्ड लाइन सेवा 1098 चमोली जिले में मार्च 2013 से संचालित की जा रही है। जिसका उद्देश्य 0 से 18 वर्ष के बच्चों को आपातकालीन स्थिति मे सुरक्षा सहयोग एवं संरक्षण प्रदान करना है। जिसमें ऐसे बच्चे जो शोषण, दुर्व्यवहार, बाल मजदूरी, यौन – शोषण, से ग्रसित बच्चे, आवश्यकता वाले अनाथ, गरीब एवं बेसहारा, विकलांग लापता आदि प्रकार के बच्चों को सहयोग प्रदान करना है। चाइल्ड लाइन सेवा 1098 के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए तथा समाज मे बच्चों की सुरक्षा से सम्बधित मुद्दों पर लोगों की समझ विकसित करने के लिए चाइल्ड लाइन सेवा 1098 के द्वारा चमोली जिले के दशोली, नारायणबगड़, कर्णप्रयाग, पोखरी, देवाल, गैरसैंण, जोशीमठ, थराली तथा घाट ब्लॉकों के विभिन्न गांवो मे आउटरीच तथा जागरूकता बैठकों के माध्यम से जन जागरूकता अभियान चलाये गये। जिसमे समुदाय के बीच जाकर बैठक के माध्यम से तथा व्यक्तिगत संपर्क, पर्चे पम्पलेट के माध्यम से चाइल्ड लाइन सेवा 1098 के प्रति समुदाय को जागरूक करने का प्रयास किया गया तथा बच्चों की सुरक्षा के प्रति समुदाय की भागीदारी को सुनिश्चित किया गया साथ ही बच्चों से संबन्धित विभिन्न समस्याओं को चाइल्ड लाइन टीम के द्वारा बैठकों में रखा गया जैसे नशीले पदार्थों के सेवन का दुष्प्रभाव, शिक्षा का अधिकार बाल अधिकारों की जानकारी, बाल विवाह के परिणाम, लैंगिक अपराध आदि। जागरूकता बैठकों का आयोजन शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों मे किया गया जिसमे चाइल्ड लाइन सदस्यों के द्वारा समुदाय के साथ विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गयी।

उद्देश्य

- चाइल्ड लाइन सेवा 1098 के प्रति लोगों को जागरूक करना
- बच्चों की सुरक्षा से सम्बन्धित मुद्दों पर समुदाय की समझ विकसित करना जिससे सुरक्षा चाहने एवं आवश्यकता वाले बच्चों की मदद हो सके
- समुदाय को समेकित बाल सुरक्षा कार्यक्रम की जानकारी देना
- गाँवों मे बच्चों की सुरक्षा से संबधित मुद्दों को चिन्हित करना
- बाल सुरक्षा से संबधित विभिन्न कानूनों, एवं प्रावधानों पर समुदाय का दृष्टिकोण निर्माण
- गाँवों में बाल समूह एवं किशोर समूह का गठन
- महिला पुरूष समूह के साथ नियमित बैठकें
- बच्चों से संबधित विभागों मे बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए पहल करना तथा बच्चों की सुरक्षा एवं सहयोग मे संबधित विभागों की भागादारी को सुनिश्चित करवाना
- पंचायत प्रतिनिधियों एवं गांव के सामाजिक लोगों से नियमित रूप से संपर्क स्थापित करना

➢ आउटरीच के माध्यम से लोगों से व्यक्तिगत संपर्क करना तथा 1098 के प्रति लोगों को जागरूक करना
➢ फोन टेस्टिंग के माध्यम से लोगों को जागरूक करना।

आउटरीच / जागरुकता बैठकें

चाइल्ड लाईन सेवा के तहत जनपद चमोली के सभी 09 विकासखण्डों में चाइल्ड लाइन सेवा 1098 के तहत जागरूकता बैठकों का आयोजन किया गया जिसमें समेकित बाल सुरक्षा कार्यक्रम, प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखरेख एवं शिक्षा, समेकित बाल विकास कार्यक्रम, पोक्सो, जे0जे0 एक्ट, बाल मजदूरी, महिला हिंसा, बाल अधिकार, मानव अधिकार, बाल कल्याण समिति एवं किशोर न्याय बोर्ड, स्पेशल जुवेनाइल पुलिस यूनिट की भूमिका एवं जिम्मेदारी आदि की विस्तृत जानकारी समुदाय को दी गयी।

वर्षभर में समुदाय एवं बच्चों के साथ 145 बैठकों का आयोजन किया गया जिसमें 2017 सदस्यों द्वारा भागीदारी की गयी। 18 बैठकों का आयोजन आंगनबाड़ी कार्यकर्ती, आशा कार्यकर्ती, स्वयं सेवी संगठनों तथा पंचायत प्रतिनिधियों के सदस्यों के साथ आयोजित की गयी जिसमें 345 सदस्यो द्वारा प्रतिभागिता की गयी। चाइल्ड लाइन सेवा के तहत गावं, स्कूल, बस स्टॉप, पंचायत भवनों में कूल 153 आउटरीच की गयी जिसमें कुल 2092 सदस्यों के साथ व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से सम्पर्क कर पोस्टर पम्पलेट, समूह चर्चा, दीवर लेखन आदि के माध्यम से 1098 सेवा के प्रति जागरूक किया गया।

ओपन हाउस चाइल्ड लाइन सेवा 1098 के तहत बाल एवं किशोर समूहों के साथ गांवों एवं स्कलों में 24 ओपन हाउस का आयेजन किया गया जिसका उददेश्य बच्चों में पनप रही झिझक, डर, आत्मविश्वास की कमी को दूर करना है। बच्चों में नेतृत्व क्षमता का विकास, ज्ञान एवं जानकारी का संचार, संगठनात्मक भावना का विकास, आत्म विश्वास में बृद्वि, सोच एवं नजरिये में सकारात्मक बदलाव शारीरिक एवं मानसिक विकास हेतु ओपन हाउस का आयेजन किया जाता है अभी तक चाइल्ड लाइन के तहत इस वर्ष 30 बाल एवं किशोर समूहों का गठन किया गया जिसमें ओपन हाउस के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामान्य ज्ञान, नुक्कड़ नाटक, भाषण, पेंन्टिंग, निबन्ध, सुलेख, वाद विवाद आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है । जिसके माध्यम से बच्चों में ऐसे माहौल एवं वातावरण तैयार किया जाता है कि बच्चा अपनी समस्या को बेझिझक होकर कह देता है जिसके समाधान हेतु चाइल्ड लाइन टीम सदस्यों के द्वारा बच्चे की समस्या को स्वयं एवं सम्बन्धित विभागों के माध्यम से आपसी समन्वयन के द्वारा समाधान किया जाता है।

फोन टेस्टिंग

जिला चमोली के सभी 09 विकासखण्डों में फोन टेस्टिंग के माध्यम से समुदाय को 1098 की जानकारी दी गयी तथा 1098 सेवा के सुचारू रूप से क्रियान्वित होने का परीक्षण किया गया जिससे लोगों में 1098 सेवा के प्रति विश्वास बढ़ता है और इसके प्रयोग से बच्चों के सुरक्षा के मुददे को चिन्हित करने एवं उसके समाधान हेतु प्रेरित किया जाता है। अप्रैल 2016 से मार्च 2017 तक चाइल्ड लाइन सेवा 1098 के माध्यम से विभिन्न टेलीकॉम सेवा प्रदाता के नम्बरों से कुल 1197 फोन टेस्टिंग की गयी जिसमें से 593 कॉल कनेक्ट तथा 604 कॉल कनेक्ट नहीं हुई।

अप्रैल 2016 से मार्च 2017 केसों का विवरण

क0स0	केसो का प्रकार	केसो की सख्या	टिप्पणी
03	बीमार	31	स्वास्थ्य लाभ सेवा मानसिक एवं शारीरिक प्रमाण पत्र
02	आश्रय	04	अनाथ एवं असहाय बच्चों से सम्बन्धित
03	बाल मजदूरी	37	होटल, ढाबों सड़क एवं इमारत निर्माण में काम करने वाले बच्चे।
04	दुर्व्यवहार	47	यौनदुर्व्यवहार, मारपीट, गाली गलौज एवं प्रताड़ना से ग्रसित

			बच्चे।
05	भावनात्मक सहयोग	10	डर एवं भावनात्मक रूप से कमजोर बच्चे।
06	स्पांन्सरशिप	18	आर्थिक सहायता एवं अन्य हयोग प्रदान करना।
07	*लापता*	11	घर से एवं अन्य स्थानों से लापता बच्चों के सम्बन्ध में।

❖ मध्य हिमालयी पशुधन पहल परियोजना एवं समेकित सूक्ष्म वित्त परियोजना

हिमोत्थान सोसाइटी देहरादून एवं टाटा ट्रस्ट मुम्बई के सहयोग से जनपद चमोली के कर्णप्रयाग ब्लाक के 62 गांवों में मध्य हिमालयी पशुधन पहल परियोजना एवं समेकित सूक्ष्म वित्त परियोजना का शुभारम्भ किया किया गया है इस कार्यक्रम के तहत कार्यक्षेत्र के गांवों में महिलाओं के स्वयं सहायता गठन कर समूहों के साथ कौशल विकास के साथ ही उनके क्षमता विकास कर आजिविका संवर्धन की गतिविधियों का संचालान किया जा रहा है।

उददेश्य

- स्थानीय संसाधनों पर आधारित आजीविका संबन्धित गतिविधियों में तकनीकी सहयोग कर स्वयं सहायता समूह के माध्यम से स्वरोजगार के अवसरों को प्रदान करना करना।
- महिलाओं में कार्यबोक्ष की कमी लाने के लिए सामुदायिक एवं व्यक्तिगत भूमि में चारा विकास को बढावा देना।
- स्थानीय स्तर पर पशुओं में दुग्ध उत्पादन क्षमता बढाने के लिए पशुओं के रखरखाव, स्वास्थय एवं उन्नत प्रकार की चारा प्रजातिया कें उपयोंग के लिए समुदाय को प्रोत्साहित करना।
- स्वयं सहायता समूहों, ग्राम स्तरीय संगठनों एवं सहकारिता के माध्यम से स्थानीय स्तर पर उधमों की स्थापना कर उघमों का विस्तार करना।
- उघमों के प्रबन्धन एवं निरन्तरता के लिए चिन्हित समूह सदस्यों का शिक्षण –प्रशिक्षणों के माध्यम से क्षमता विकास कर उनकी मासिक एवं वार्शिक आय मे वृद्वि सुनिश्चित करना।
- ग्रामीण गरीब परिवारों की परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए उनकी सश्क्त एवं स्थायी संस्था बनाकर लाभदायक स्वरोजगार वाले रोजगार के अवसर प्राप्त कराने में समर्थ बनाना जिससे उनकी गरीबी कम हो और उनकी जीवनशैली में उल्लेखनीय सुधार के लिए निरन्तर कार्य करना।

गतिविधि

सामुदायिक एवं निजी भूमि पर चारा विकास हेतु पौधशाला निर्माण : मध्य हिमालयी पशुधन पहल परियोजना के अर्न्तगत मातृ नर्सरी निमार्ण हेतू ग्राम पंचायत सोलना में 01 हैक्टेयर भूमि पर भूमि सुधार का कार्य किया गया भूमि सुधार के पश्चात पौध एवं घास रोपण के लिए क्यारियों का निर्माण कर 5000 चारा प्रजाति के घास का रोपण, 3000 चारा प्रजाति के पौधों का रोपण किया गया।

निजी भूमि पर टारा फसलों एवं चारा घास का बढ़ावा देना : परियोजना के अर्न्तगत 2 हैक्टेयर व्यक्तिगत भूमि पर चारा फसल एवं चारा घासों का रोपण समुदाय के माध्यम से किया गया जिसमें 01 हैक्टेयर भूमि पर चारा फसलों की बुवाई एवं 1 हैक्टेयर भूमि पर चारा घासों का रोपण किया गया जिससे निजी भूमि पर कुल 270 क्विंटल घास का उत्पादन हुआ जिसे समुदाय द्वारा उपयोग में लाया गया।

सामुदायिक भूमि पर चारा विकास को बढ़ावा देना : परियोजना के अर्न्तगत ग्राम खडगोली, सोलना, बैडाणु, चमाली एवं कालेश्वर में 10 है0 सामुदायिक भूमि पर केन्द्राभिसरण/युगपतिकरण के अर्न्तगत मनरेगा एवं संस्था अंश से 05 प्लॉटों में चारा विकास का कार्य किया गया साथ ही परियोजना के अंश से ग्राम लाटूगैर, खडगोली के 02 है0 ग्राम कालेश्वर, बैडाणु, थिरपाक, उत्तरों के 04 है0 पुराने चारा प्लॉट में गेप फिलिंग का कार्य किया गया इसके साथ ही कर्णप्रयाग ब्लॉक के सोनला ग्राम में हरेला महोत्सव के अर्न्तगत जिला ग्रामीण विकास अभिकरण चमोली के परियोजना निदेशक कि उपस्थिति में वृहद वृक्षा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें चारा विकास प्लॉट में 1500 घास प्रजाति के पौधों का रोपण किया गया जिससे 16 है0 सामुदायिक भूमि पर कुल 895 कुन्तल प्राकृतिक घास एवं 955 कुन्तल रोपित घास का उत्पादन कर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा उपयोग में लाया गया। 05 चारा

प्लॉटों में केन्द्राभिसरण/युगपतिकरण के अन्तर्गत संस्थाद अंश के 15 प्रतिशत धनराशि का पूर्ण भुगतान किया गया एवं संस्था द्वारा दिये गये 15 प्रतिशत धनराशि का वित्तीय प्रमाण पत्र एवं दस्तावेजीकरण का कार्य पूर्ण किया गया।

गौशाला सुधारी करण एवं उन्नत नश्ल की गाय क्रय करना परियोजना के अर्न्तगत केन्द्राभिसरण/युगपतिकरण के अर्न्तगत मनरेगा योजना से कार्यक्षेत्र में .22 गौशाला सुधारीकरण का कार्य किया गया तथा गौशाला सुधारीकरण के पश्चात द्वारा सूक्ष्म वित से 14 लाभार्थीयों द्वारा उन्नत नश्ल कि गाय क्रय कि गयी तथा लाभार्थीयों द्वारा परियोजना द्वारा गठित एकता स्वायत्त सहकारिता डेरी में दुग्ध विपणन किया जा रहा है।

उन्नत नश्ल की बकरी क्रय करना : ग्राम चटंग्याला कंडारा के 4 लाभार्थियों को उन्नत नश्ल की बकरी खरीद हेतु संस्था अंश से 10000.00 रू0 प्रति लाभार्थी को प्रदान की गयी तथा 04 लाभार्थीयों द्वारा 20 उन्नत नश्ल की बकरी क्रय की गयी। साथ ही ग्राम चमाली एवं सोलना में 07 स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों का बकरी आश्रय स्थल का निर्माण मनरेगा योजना के अर्न्तगत किया गया

मुर्गी पालन एवं मुर्गी आश्रय स्थल निर्माण : परियोजना के अर्न्तगत केन्द्राभिसरण/युगपतिकरण के अर्न्तगत मनरेगा योजना से कार्यक्षेत्र के ग्राम सभा सोलना एवं बैडाणु में 06 लाभार्थियों द्वारा मुर्गी आश्रय स्थल का कार्य पूर्ण किया गया है इसके साथ ही ग्राम सभा सोलना में एक लाभार्थी का संस्था अंश एवं मनरेगा द्वारा मदर यूनिट की स्थापना गई तथा मदर यूनिट हेतु 500 चुजे पशुपालन विभाग से क्रय किये गये।

पशु स्वास्थ्य कैम्प व नस्ल सुधार : ग्राम सभा कालेश्वर एवं ग्राम मंगरोली में एक –एक पशु स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन जिसमें 60 लाभार्थियों ने भाग लिया तथा शिविर में 20 पशुओं का टीका करण एवं 40 पशुओं का उपचार/दवाइयों का वितरण किया गया इसके साथ ही परियोजना के अर्न्तगत कार्यरत पैरावेट द्वारा कार्यक्षेत्र में 433 गायों व 235 भैंसो का कृत्रिम गर्भादान किया गया है। इसके साथ ही परियोजना क्षेत्र में 14 उन्नत नश्ल के पशुओं का बीमा भी किया गया।

गैर कृषि उत्पाद एवं सेवाओं को बढावा देना : कार्यक्षेत्र के अर्न्तगत 50 किग्रा लहसून 30 लाभार्थियों को व 150 किग्रा अदरक 120 लाभार्थियों का वितरित किया गया।साथ ही 150 लाभार्थियों को सब्जी (लौकी, कददू, मूली, खीरा, भिन्डी, फरासबीन, बैंगन आदि) का बीज वितरित किया गया।

लघु उद्यम सी.एफ.सी. की स्थापना : कार्यक्षेत्र के अर्न्तगत नन्दप्रयाग बाजार में 19 दिसम्बर 2015 को समुदाय सुविधा. केन्द्र की स्थापना की गई। वर्तमान में केन्द्र से प्लास्टिक के सामान –बाल्टी, घड़े, टब, जग, मिल्क कैन, गमले एवं कृषि यन्त्र – दरांती, कुदाल, फावड़े, हल, दनाले आटा चक्की एवं टाटा स्वचछ आदि का विक्रय किया गया। साथ ही परियोजना क्षेत्र

से स्थानीय कृशि उत्पादों का एकत्रिकरण कर सरस मेला 2016 देहरादून एवं गौचर मेला 2016 में विपणन किया गया । इसके साथ ही त्रिशुली प्रोडयूसर कम्पनी से 2692 किलो ग्राम टाटा टी क्रय कर विपणन किया गया।

समेकित सूक्ष्म वित्त परियोजना

हिमोत्थान टाटा टस्ट एवं राष्टीय आजिविका मिशन के तहत कर्णप्रयाग विकास खण्ड के सोनला एवं नौटी कलस्टर के 42 गांवों में महिला स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया इस कार्यक्रम के तहत कार्यक्षेत्र के गांवों में मिशन के मानकों के तहत स्वय सहायता समूहों का गठन, समूहों का कौशल विकास , एवं आजिविका संवर्धन गतिविधिों का संचालन किया जा रहा है। साथ ग्रामस्तरीय संगठनों का गठन एवं कलस्टर स्तरीय सहकारिता का गठन कर स्थानीय संसाधनों पर आधारित स्वरोगार की गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है।

उददेश्य

- ग्राम स्तर पर स्वयं सहायता समूहो, ग्राम स्तरीय संगठनों, कलस्टर स्तरीय संगटनों का गठन, दस्तावेजीकरण, वित्तीय प्रबन्धन प्रणाली बैक लिंकेज, सूक्ष्म वित्त योजना पर क्षमता विकास करना। साथ ही सरकार द्वारा संचालित राश्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों एवं ग्राम स्तरीय संगठनों का गठन कर ग्रामीणों की आजीविका संर्वधन कर मिशन को प्रभावी बनाना
- स्वयं सहायता समूहों, ग्राम स्तरीय संगठनों एवं सहकारिता के माध्यम से स्थानीय स्तर पर उधमों की स्थापना कर उघमों का विस्तार करना।

गतिविधियों का विवरण

क्रम सं०	गतिविधि का नाम	उपलब्धि
01	कुल गठित समूहों की सं0	214
02	कुल नये समूहों की सं0	109
03	पुर्नजीवित समूहों की कुल सं0	07
04	राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका से जुडे समूहों की सं0	214
05	समूह सदस्यों की कुल सं0	1409
06	क्रियाशील समूहों की कुल सं0	214
07	बैंक खाते वाले समूहों की कुल सं0	155
08	समूहों की कुल बचत	8891884.00 रू0
09	नियमित बचत वाले समूहों की सं0	195
10	नियमित आन्तिरिक ऋण वाले समूहों की सं0	189
11	नियमित वित्तीय दस्तावेजी करण वाले समूहों की सं0	195
12	कुल लिया गया आन्तिरिक ऋण	2007970.00 रू0
13	आन्तिरिक के सापेक्ष ऋण वापसी	261680.00 रू0
14	स्थापित सहकारिताओं की कुल सं0	01
15	सहकारिता की कुल बचत	4569.00 रू0

16	ऋण के लिए बैंक से जुडे समूहों की सं0	14
17	सहारिता द्वारा प्राप्त रिवॉलविंग फण्ड	4425000.00 रू0
18	बैको से समूहों को प्राप्त कुल ऋण	700000.00 रू0
19	वित्तीय प्रबंधन प्रणाली पर सहकारिता एवं समूहों का तकनीकी प्रशिक्षण	02
20	सहकारिता एवं समूहों का संस्थान निर्माण पर कौशल वृधि कार्यक्रम	06
21	सहकारिता की आम सभा बैठक	01

❖ एकता स्वायत्त सहकारिता

विकास खण्ड कर्णप्रयाग के नन्दप्रयाग कलस्टर में समुदाय की आजिविका संवर्धन हेतु मध्य हिमालयी पशुधन पहल परियोजना का संचालन किया गया । इस परियोजना में न्याय पंचायत सोनला के कमषः वर्ष 2010 में हिमोत्थान कमेडा खडगोली, थिरपाक, तेफना, बातोली व मंगरोली आदि गॉवों के 19 स्वयं सहायता समूहो के 235 सदस्यों को मिलाकर किया गया। शुरूआत में परियोजना क्षेत्र में स्थानीय संसाधनो पर आधारित व्यवसायों के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों की आजिविका संबर्धन गतिविधियों को प्रोत्साहित किया गया । जिसमें मुख्य रूप से पशुपालन व्यवसाय को केन्द्रित किया गया । लेकिन इस व्यवसाय के विपणन के माध्यम की समस्या को देखते हुये यह तय कि गया कि सहकाारिता के माध्यम से डेरी व्यवसाय का संचालन किया जाय । जिसके लिए उपरोक्त स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों के साथ नियमित बैठक कर निर्णय लिया गया कि कलस्टर स्तर पर सहकारिता का गठन किया गया । जिसके लिए सभी स्वयं सहायता समूहों की नन्दप्रयाग में बैठक आहूत की गयी एंव सभी सदस्यों की सहमति से एकता स्वायत्त सहकारिता नन्दप्रयाग का गठन किया गया जिसका सहकारिता एक्ट में पजीकरण वर्ष 2011 में किया गया । वर्ष 2010 से वर्ष 2015 तक हिमोत्थान सोसायटी के सहयोग से एकता स्वायत्त सहकारिता के द्वारा नन्दप्रयाग कलस्टर में सहकारिता के माध्यम से डेरी व्यवसाय का कार्य किया गया तथा अन्य स्वयं सहायता समूहों को भी एकता सहकारिता से जोडा गया इस दौरान सहकारिता के संचालन के अनुभवों को ध्यान मे रखते हुये डेरी व्यवसाय का विकास हुआ और समूहों के अधिक जुडाव के कारण वर्ष 2015 में टाटा ट्रस्ट हिमोत्थान सोसायटी के निर्णयों के अनुसार सहकारिता की क्षमता विकास के लिए सहयोगी संस्था के रूप में हिमाद समिति का चयन किया गया। वर्ष 2015 में विकास खण्ड कर्णप्रयाग को राष्ट्रीय आजिविका मिशन के तहत संधन ब्लाक में चयन किया गया था जिसके तहत हिमोत्थान सोसायटी को विकासखण्ड कर्णप्रयाग में तकनीकि सहयोगी संस्था के रूप में चयनित किया गया था जिसके तहत राष्टीय आजिविका मिशन के मानको के तहत स्वयं सहायता समूहों का गठन एंव क्षमता विकास किया जा रहा था इसी के तहत ग्रम स्तर पर ग्रम स्तरीय संगठनों का गठन भी सुनिश्चित किया गया इन ग्राम स्तरीय संगठनों का पंजीयन भी सहकारिता एक्ट में किया गया । वर्तमान में सहकारिता से 126 स्वयं सहायता समूह एवं 10 ग्राम स्तरीय संगठनों का जुडाव है जिनमें से 103 स्वयं सहायता समूहों को 1030000 रू0 का रिवॉलविंग फण्ड प्राप्त हो चुका है एवं सहकारिता को स्वयं सहायता समूहों के माइक्रो केडिट प्लान के अर्न्तगत सामुदायिक निवेश निधि के रूप में 6000000 रू प्राप्त हुए। हिमोत्थान सोसाइटी के सहयोग से सूक्ष्म वित्त योजना के अर्न्तगत 09 सदस्यों को उन्नत नश्ल के पशु एवं बकरी खरीदने हेतू 90000 का लोन दिया गया ।

महिलाओं को स्वय सहायता समूहों एवं ग्रामस्तरीय संगठनों के माध्यम से एकता स्वायत्त सहकारिता आजिविका संवर्धन गतिविधियों का संचालान जिसमें मुख्य रूप से शुरूआती दौर में दुग्ध व्यवसाय का कार्य करती आर ही थी वही वर्तमान समय में जहा एकता स्वायत्त सहकारिता का जुडाव ,त्रिशूली प्रोटूसर कम्पनी के साथ भी हुआ वही सहकारिता के माध्यम से निम्न व्यवसायों का संचालन किया जा रहा है।

- डेरी व्यवसाय
- सामुदायिक सुविधा केन्द्र सीएफसी
- टाटा टी
-

उपरोक्त उद्यमों के बेहत्तर संचालन एंव कियान्वयन के लिए टाटा टस्ट हिमोत्थान एवं हिमाद समिति के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 18 जनवरी से 20 जनवरी 2017 तक व्यवसायिक योजना के सफल संचालन के लिए सहकारिता के प्रबन्धकारिणी सदस्यों ग्राम स्तरीय संगठनों के पदाधिकारियों , ग्रामस्तरीय संग्रहणकत्ताओं के साथ प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

एडवोकेसी फॉर इकोनोमिक एण्ड सोसल राइट्स ऑफ अरबन पूवर इन यूपी एण्ड उत्तराखण्ड

विज्ञान फाउण्डेशन लखनऊ एवं फोर्ड के सहयोग से संचालित की जा रही परियोजना एडवोकेसी फॉर इकोनोमिक एण्ड सोसल राइट्स आफ अरबन पूवर के द्वितीय चरण का कार्य माह दिसम्बर 2017 से देहरादून शहर में संचालित हुआ। परियोजना का फोकस असंगठित क्षेत्र, खास कर घरेलू कामगारों पर है, और जैसा कि विदित है कि घरेलू कामगार के रूप में महिला एवं बालिकाऐं ही मुख्य रूप से स्थापित हैं अतः उनकी न्यूनतम मजदूरी एवं सामाजिक सुरक्षा का सवाल सबसे अहम है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सर्वप्रथम

कार्यक्षेत्र (देहरादून शहर की 10 मलिन बस्तियां) का सघन भ्रमण एवं जनसम्पर्क कर वर्तमान सूचनाओं एवं सम्पर्को को एकत्र किया गया ताकि सामुदायिक संगठनों एवं बस्तियों में रह रहे गरीबों की वर्तमान परिस्थितियों का आंकलन किया जा सके।

दिसम्बर 16 में जन सम्पर्क एवं सूचना संकलन के पश्चात जनवरी 2017 में शहर के स्कूल–कालेजों एवं संस्थानों में एनसीसी, एनएसएस एवं समाज कार्य विषय के अध्यापक एवं छात्रों से सम्पर्क किया गया ताकि घरेलू कामगारों को न्यूनतम मजदूरी एवं सामाजिक सुरक्षा दिलाने के अभियायान में उनकी भूमिका एवं सहयोग को सुनिश्चित किया जा सके, इन स्कूल–कालेजों में डीएवी, डीवीएस, एमकेपी, एसजीआरआर महाविद्यालय तथा सीएनआइ, गांधी, एवं डीएवी इन्टर कालेज प्रमुख हैं। फरवरी माह में सामुदायिक संगठनों की एक शहर स्तरीय वैठक का आयोजन ऋषिनगर में किया गया जिसमें कुल 38 प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा घरेलू कामगारों की पहचान एवं उन्हें संगठित करने के मुद्दे पर विचार विर्मस किया गया। माह मार्च में जनपद देहरादून के जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से सम्पर्क किया गया और भविष्य में संयुक्त कार्यक्रमों को आयोजित करने पर बातचीत हुई। इसी माह सामुदायिक संगठनों के नेतृत्व की क्षमता विकास कार्यशाला का आयोजन भी शहर में किया गया जिसमें कुल 26 प्रतिभागियों ने भाग लिया। घरेलू कामगारों के मुद्दे पर सूचना एवं जानकारियों को साझा कर अपनी क्षमताओं में बृद्वि की। इस प्रकार से घरेलू कामगारों की स्थिति–परिस्थिति एवं समस्याओं पर चिन्तन करने एवं समस्याओं के समाधान के लिए साझा प्रयासों की शहर में शुरूआत हुई, हमें आशा है कि निकट भविष्य में सरकार घरेलू कामगारों के लिए न्यूनतम मजदूरी एवं सामाजिक सुरक्षा के लिए कोई ठोस कदम उठा सकेगी।

• हिमाद शिक्षा प्रसार एवं प्रशिक्षण केन्द हडकोटी

वर्श 2009 से हिमाद षिक्षा प्रसार एवं प्रषिक्षण केन्द्र की ष ुरूवात की गयी अक्टूबर 2010 में इस प्रषिक्षण केन्द्र को विधिवत संचालित किया गया। हिमाद षिक्षा प्रसार एवं प्रषिक्षण केन्द्र पर माह अप्रैल 2016 से मार्च 2017 तक विभिन्न सरकारी विभागो सामुदायिक संगठनो के साथ विभिन्न मुद्दो पर षिक्षण–प्रषिक्षणो का आयोजन किया गया। इसके साथ ही हिमाद षिक्षा प्रसार एवं प्रषिक्षण केन्द्र द्वारा देष एवं विदेष के विभिन्न विधालयों के बच्चों का शैक्षिण भ्रमण एवं प्रषिक्षणो का आयोजन भी इस केन्द्र पर हुआ इसमें बच्चों कों विभिन्न प्रकार की जानकारी प्रदान की गयी है। और साथ ही साथ हिमाद षिक्षा प्रसार एवं प्रषिक्षण केन्द्र द्वारा सोनाली, कण्डारा, हडाकोटी, सोनला आदि गॉवो में सरकारी एवं गैर सरकारी विधालयो एवं विभिन्न संगठनो के साथ जागरूकता कार्यक्रमो एवं आजिविका सर्वधन का आयोजन भी किया गया है। इसके साथ ही विगत वर्श हिमाद षिक्षा प्रसार एवं प्रषिक्षण केन्द्र द्वारा आयोजित कोर्स की जानकारी विभिन्न सरकारी एवं गैरसरकारी संस्थाओ को प्रदान की गयी है

- ❖ परिवारिक षिक्ष
- ❖ व्यक्तिगत स्वच्छता
- ❖ प्राथमिक उपचा
- ❖ जीवन जीने की कला
- ❖ जेण्डर
- ❖ कैरियर कॉउसलिग
- ❖ बाल अधिकार
- ❖ राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिषन
- ❖ राष्ट्रीय एवं अर्न्तराश्ट्रीय संस्कृति का आदान प्रदान
- ❖ ऊर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण में नवाचार तकनीक से स्वरोजगार

स्वयं सेवक कार्यक्रम

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत हिमाद शिक्षा प्रसार एवं प्रषिक्षण केन्द्र में माह अप्रैल 2016 से मार्च 2017 मुख्य रूप सामाजिक कार्य करने वाले विघार्थी लिनियस विष्वविधालय स्वीडन से स्वयं सेवक के रूप में आयें। इसके साथ ही उन्होने यहॉ कि जीवन षैली व संस्कृति कें साथ–साथ षिक्षा स्वास्थ्य, रोजगार, आजीविका, पर्यावरण और सामाजिक आर्थिक गतिविधियों का अवलोकन भी किया है। और साथ ही साथ यहॉ

कि विभिन्न स्वयं सहायता समूहो, सहकारिताओ एवं षिक्षण संस्थाओ का षैक्षिण भ्रमण भी किया है।

हिमाद शिक्षा प्रसार प्रशिक्षण केन्द्र में आयोजित शिक्षण– प्रशिक्षणों का विवरण

दिनांक	अवधि	प्रशिक्षण कार्यषाला का नाम	प्रतिभागियो का विवरण			योग	वर्ग	आयोजक	आयोजक का प्रकार
			पुरूष	महिला	बच्चों				
13/04/16	1 दिन	व्यक्तिगत स्वच्छता	0	0	16	16	विधार्थी	हिमाद षिक्षा प्रसार एवं प्रषिक्षण केन्द्र	एन0 जी0 ओ0
02/08/16 सें 04/08/16	3 दिन	सामाजिक कार्यकताओ का क्षमता विकास	18	14	0	32	सामाजिक कार्यकर्ता	हिमोत्थान सोसायटी देहरादून	एन0 जी0ओ0
12/8/ 16 से 16/08/16 तक	5 दिन	ऊर्जा एवं पर्यावरण सरंक्षण में नवाचार तकनीक से स्वरोजगार	07	25	0	32	स्वयं सहायता समूह एवं विधार्थी	हिमाद समिति गोपेश्वर	एन0 जी0 ओ0
02/10/16 से 3/10/16	2 दिन	मासिक बैठक	03	0	0	03	समाजिक कार्यकर्ता	हिमोत्थान सोसायटी देहरादून	एन0 जी0 ओ0
16/10/16 से 21/10/16	6 दिन	षैक्षिण भ्रमण	06	08	0	14	समाजिक कार्यकर्ता	ऐरोली नवी मुम्बई	ऐरोली नवी मुम्बई
21/10/16 से 25/10/16	5 दिन	नेतृत्व क्षमता विकास	41	03	0	44	युवा संगठन	नेहरू युवा केन्द्र	सरकारी विभाग
10/11/16 से 17/12/16	37 दिन	षैक्षिण भ्रमण	02	03	0	05	सोषल वर्ग विधार्थी	लिनियस विष्वविधाय स्वीडन	विष्वविधालय स्वीडन
22/11/16	1 दिन	प्राथमिक उपचार	02	0	16	18	विधार्थी	हिमाद षिक्षा प्रसार एवं प्रषिक्षण केन्द्र	एन0 जी0 ओ0
29/11/16	1 दिन	व्यकिगत स्वच्छता	01	17	0	18	सामाजिक कार्यकर्ता	हिमाद षिक्षा प्रसार एवं प्रषिक्षण केन्द्र	एन0 जी0 ओ0
10/12/16 से 13/12/16	4 दिन	षैक्षिण भ्रमण	01	0	0	01	सामाजिक कार्यकर्ता	माउट सैफड	कम्पनी
10/02/17 सें 11/02/17	2 दिन	नेतृत्व विकास क्षमता	30	08	0	38	सामाजिक कार्यकर्ता	उधोगिनी नई दिल्ली	एन0 जी0 ओ0
4/03/ 17 से 05/03/17	2 दिन	जीवन कौषल	20	09	0	29	सामाजिक कार्यकर्ता	उधोगिनी नई दिल्ली	एन0 जी0 ओ0

		विकास							
18/03/17 से 22/03/17	5 दिन	नेतृत्व क्षमता विकास	35	05	0	40	समाजिक कार्यकर्ता	नेहरू युवा केन्द्र	सरकारी विभाग
		योग	166	92	32	290			

ऊर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण में नवाचार तकनीक से स्वरोजगार कार्यक्रम

जिला प्रशासन के अर्थ एवं संख्या विभाग के सहयोग 13 वे वित्त जिला नवाचार निधि के तहत विकास खण्ड कर्णप्रयाग के न्याय पंचायत सोनला मे राश्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिषन के तहत गठिन स्वयं सहायता समूहो में से कालेष्वर, लगासू, सोनला, ग्राम पंचायतो के समूह सदस्यो का चयन कर 30 प्रतिभागियो को प्रथम चरण का पॉच दिवसीय प्रषिक्षण दिया गया है।

उदेदश्य

- शहरी एवं ग्रमीण जन समुदाय को स्वरोजगार उपलब्ध कराना साथ ही स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना।
- इनर्जी इफिशिएन्सी लाइट तैयार करने हेतु युवाओं का कौशल विकास करना।
- स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग कर रोजगार प्राप्त करना।
- उर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति समुदाय को जागरूक कर क्षमता विकास करना।
- उर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहे सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, सहकारिता सदस्यों को तकनीकि सुविधा एवं प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर एलइडी लाइट तैयार कर विपणन करवाना।
- पर्यटक, धार्मिक स्थलों, मेलों में एलइडी लाइट का प्रदर्शन विपणन एवं व्यापक प्रचार प्रसार करना।
- कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रषिक्षण लेने वाले प्रतिभागियो का चयन
- कच्चा माल, मषीनरी एवं इलैक्ट्रोनिक किट हेतु बाजार सर्वेक्षण एवं क्रय
- प्रषिक्षकों का प्रशिाक्षण

पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम

राष्टीय पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम के तहत महिला मंगल दल सदस्यों, पंचायत प्रतिनिधियों, बाल वं किशोर समूहों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के कुल 203 सदस्यों के साथ जागरूकता अभियान, रैली, गोष्ठी एवं वृक्षारोपण का कार्य किया गया। जिसमें रौली, कुजाउं मैकोट, हडाकोटी, सोनला गांवों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सम्मिलित सभी सदस्यों को पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता के बारे में जानकारी बढ़ी जिससे उन्हें भारत में पायी जाने वाली विभिन्न प्रजातियों, पर्यावरणीय प्रदूषण, भूमंण्डलीय जलवायु परिवर्तन, पारम्परिक ज्ञान, कानूनी एवं प्रबन्धन तन्त्र की प्रकृति के बारे में जानकारी बढ़ी जिससे उनका इस बारे में क्षमता विकास हुआ। तथा आने वाले समय में अन्य सदस्यों को भी इस जानकारी से अवगत कराया जायेगा। जिससे की पर्यावरण को प्रदूषित होने एवं उसके विदोहन से बचाया जा सकेगा तथा किसानों पर सूखे की जो मार होती है इसके संरक्षण से सूखे से बचाव किया जा सकता है। क्योंकि पहाड़ों में प्रत्येक परिवार का मुख्य वयवसाय कृषि एवं पशुपालन है यदि कृषि में फसल नहीं होगी तो खाने पीने एवं बीज के लिए परिवार दर – दर भटकता रहेगा। इसलिए बरसाती पानी के संरक्षण एवं उसके प्रयोग की जानकारी से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया कि यह हमारे लिए कितना महत्वपूर्ण है।

कार्यक्षेत्र में सभी सदस्यों द्वारा पर्यावरण संरक्षण में भूमिका सुनिश्चित करने हेतु संकल्प लिया गया जिसमें सभी द्वारा आहवान किया गया कि पर्यावरण हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जिसको बचाने के लिए हमें हर सम्भव तैयार रहना होगा तथा इसके उपयोग महत्व संवर्द्वन एवं संरक्षण के लिए समुदाय को प्रेरित करना होगा। तभा पर्यावरण को बचाया जा सकता है।

जनवकालत

- विधिक सेवा प्राधिकारण के तहत संस्था के 01 सदस्य पैरा लीगल स्वयं सेवक के रूप में कार्यरत है। जिसके माध्यम से कानूनों एवं अधिकारों की पैरवी की जा रही हैं
- पुलिस विभाग की एच्छिक ब्यूरो एवं महिला हेल्प लाइन 1090 की सदस्य,
- बाल विकास विभाग की निर्भया समिति, में सदस्य
- घरेलू महिला हिंसा अधिनियम के तहत सेवा प्रदाता,
- बाल कल्याण समिति में सदस्य

साधारणसभा की बैठक की सत्य प्रतिलिपि

दिनांक 19 जून 2017 समय – 2.00 बजे स्थान– हिमाद समिति कार्यालय, गोपेश्वर चमोली।

आज दिनांक 19 जून 2017 को संस्था साधारण सभा की बैठक का आयोजन संस्था कार्यालय, गोपेश्वर में संस्था अध्यक्ष डा0डी0एस0 पुण्डीर की अध्यक्षाता में आयोजित हुयी। बैठक में उपस्थिति के आधार पर संस्था सविधान के अनुसार कोरम पूरा रहा है। सर्व प्रथम बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का पंजीयन करवाया गया इसके उपरान्त संस्था सचिव द्वारा सभी सदस्यों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया एवं अध्यक्ष की अनुमति से बैठक का संचालन किया गया बैठक में निम्न प्रस्ताव पास किये गये।

प्रस्ताव संख्या 01 – पिछली कार्यवाही का प्रस्तुतिकरण एवं पुष्टि – बैठक में सस्था सचिव द्वारा विगत बैठक की कार्यवाही पढकर सुनायी गयी जिस पर सदन में सदस्यों द्वारा चर्चा के पश्चात कार्यवाही की पुष्टि ध्वनिमत से की।

प्रस्ताव संख्या 02 – वर्ष 2016 –17 की बैलेन्स शीट का अनुमोदन एवं वित्तीय लेखा जोखा का प्रस्तुतिकरण –बैठक में संस्था कोषाध्यक्ष द्वारा सभी सदस्यों को वित्तीय वर्ष 2016–17 के आय–व्यय का व्यौरा, बैलेन्स शीट के माध्यम से पढकर सुनाया गया जिसमें मद वार विवरण दिया गया था। साथ ही संस्था की वर्तमान वित्तीय एवं चल अचल सम्पति को निम्न प्रकार से बताया गया।

फंड एवं देयताए	**राशि**	**संपति**	**राशि**
पूंजीगत निधि	1,25,747.18	अचल संपति	68,51,653.30
अव्ययित कोष	–	जमा नवाचार	50,000.00
अचल संपति	68,51,653.30	चालू संपति	10,42,346.18
चालू दायित्व	9,66,599.00		
कुल योग	**79,43,999.48**	**कुल योग**	**79,43,999.48**

उपरोक्त प्रस्तुतिकरण के बाद सदस्यों द्वारा विभिन्न परियोजना में कार्यरत स्टाफ की जानकारी चाही गयी जिस पर संस्था सचिव द्वारा परियोजना के अनुसार स्टाफ का व्यौरा दिया गया जिस पर चर्चा के पश्चात सभी सदस्यों द्वारा वित्तीय लेखा–जोखा का अनुमोदन ध्वनिमत से किया गया।

प्रस्ताव संख्या 03 – वार्षिक प्रगति आख्या का अनुमोदन – बैठक में सचिव ने संस्था द्वारा संचालित चाइण्ड लाईन सेवा , मध्य हिमालयी आजिविका पहल परियोजना , सूक्ष्म वित्त ऋण ,शहरी गरीबों के सामाजिक एवं आर्थिक अधिकारों के लिए पैरवी कार्यक्रम, स्वय

सेवक कार्यक्रम , शोध छा.त्र/इनटर्न तथा स्थानीय प्रशासन द्वारा आयेजित गातिविधियों में प्रतिभागिता की प्रगति आख्या पढकर सुनायी। जिस पर सदस्य सुरेन्द्र सिंह व ज्योषित डिमरी द्वारा कार्यक्रमों के परिणामों की जानकारी चाही गयी। सचिव द्वारा कार्यक्षत्रों की जानकारी के साथ ही परिणामों की विस्तृत जानकारी सभी सदस्यों को दी गयी। सदस्य देवेन्द्र नेगी द्वारा कार्यक्रमों की उपलब्धियों पर प्रबन्धकाारिणी सदस्यों, कार्यरत स्टाफ का धन्यवाद ज्ञापित किया गया अन्त में सभी सदस्यों के द्वारा ध्वनिमत से वार्षिक प्रगति आख्या का अनुमोदन किया गया। साथ ही सहयोगी संस्थाओं का भी धन्यवाद किया गया।

प्रस्ताव संख्या 04 – संस्था क्षतिग्रस्त संम्पति पर निर्णय – बैठक में संस्था अध्यक्ष एंव सचिव द्वारा अवगत कराया गया कि संस्था की पूर्व प्रबन्धकारिणी बैठक में लिये गये निर्णय के आधार पर संस्था प्रबन्धकारिणी सदस्यों द्वारा संस्था की चल–अचल संम्पतियों का स्थात्यापन किया गया। संस्था सचिव द्वारा बस्तुओं/सम्पतियों की सूची एवं उनकी वर्तमान स्थिति का व्यौरा सदन में रखा गया । जिस पर सदस्यों द्वारा विस्तृत चर्चा के पश्चात निर्णय लिया गया कि जो बस्तु/सम्पति अनुप्रोज्य हैं या विनष्ट हो गयी हैं। उन्हें नष्ट घोषित कर एकाउण्ट की प्रकिया को पूर्ण किया जाये। इस कार्य के लिए संस्था सचिव एवं कोषाध्यक्ष तथा एकाउण्टैण्ट को अधिकृत किया गया।

प्रस्ताव संख्या 05 – संस्था प्रवन्धकारिणी एंव समितियों तथा नीतियां – बैठक में सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया कि संस्था की प्रबन्धकारिणी एवं गठित समितियों को यथावत रखा जाय। साथ ही सचिव द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि संस्था द्वारा तैयार की गयी विभिन्न नीतियें एवं नियमों की अपडेशन की प्रक्रिया भी सतत जारी है। जिसका समर्थन सभी सदस्यों द्वारा तालियों के माध्यम से किया गया।

प्रस्ताव संख्या 06 – हिमाद शिक्षा प्रसार एवं प्रशिक्षण केन्द्र – संस्था अध्यक्ष द्वारा हिमाद शिक्षा–प्रसार एवं प्रशिक्षण केन्द्र की प्रगति आख्या को पढकर सुनाया गया जिसमें केन्द्र में इस वर्ष हुये शिक्षण–प्रशिक्षण कार्यक्रम, केन्द्र पर आये अतिथियों के साथ ही केन्द्र की वर्तमान स्थिति, कार्यरत स्टाफ के साथ ही प्रशिक्षण केन्द्र पर हुए और होने वाले मरम्मत कार्यो का व्यौरा तथा आगामी वर्ष की कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी सदस्यों को दी। यह विदित है कि शिक्षा केन्द्र को विना किसी वित्तीय सहायता के संचालित करना एक जटिल कार्य हो गया है और विना किसी परियोजना अथवा इनर्टनशिप या स्वंय सेवक कार्यक्रम के विना इसका संचालन असम्भव सा हो गया है इसलिए यदि केन्द्र किसी प्रकार के ब्यवसायिक कार्यों की भी पहल करता है तो यह कार्य केन्द्र के रख रखाव एवं उसकी उत्तरजीविता के लिए सार्थक कदम होगा। साथ ही इस बात पर भी जोर दिया गया कि शिक्षण –प्रशिक्षण, क्रेन्द्र के नियमानुसार ही संचालित हों तथा समय समय पर यहां की निर्धारित दरों एवं अग्रिम भुगतान के आधार पर हों। प्रशिक्षण केन्द्र के व्यवस्थित संचालन के लिए इस कार्य में लगे साथियों डा डी एस पुण्डीर एवं देवेन्द्र नेगी को इसे लगातार देखना होगा साथ ही सचिव महोदय केन्द्र के लिए संसाधन भी जुटाऐं आदि चर्चा के बाद यह प्रस्ताव ध्वनिमत से पास हुआ।

प्रस्ताव संख्या 07– सदस्यता नवीनीकरण एंव सदस्य शुल्क – बैठक में सभी सदस्यों द्वारा अवगत कराया गया कि सभी सदस्य अपना वार्षिक सदस्य शुल्क एंव नयी सदस्यता के लिए संस्था कार्यालय में अपना सदस्य शुल्क जमा करवाये एंव जिन सदस्यों ने अपना सदस्य शुल्क जमा कर लिया है वे कार्यालय से रसीद प्राप्त कर लेवे । नयी सदस्यता के लिए सदन में चर्चा के पश्चात निर्णय लिय गया की प्रबन्घकारिणी सदस्य के अनुमोदन पर नयी सदस्यता दी जा सकती है।

प्रस्ताव संख्या 08 – धन्यवाद ज्ञापन – अन्त में सस्था अध्यक्ष द्वारा सभी सदस्यों की बैठक में उपस्थिति

संस्था प्रबन्धकारिणी सूची

क0स0	नाम	पिता /पति का नाम	पता	उम्र	पद	व्यवसाय
01	डा0डी0एस0 पुण्डीर	श्री हरि सिंह पुण्डीर	शिवलोक कॉलोनी रायपुर देहरादून	50	अध्यक्ष	समाजकार्य
02	श्री सुरेन्द्र सिंह रावत	श्री नारायण सिंह रावत	ग्राम सिलंगी पों0 कांचुला जिला चमोली	43	उपाध्यक्ष	समाज कार्य
03	श्री उमाशंकर विष्ट	श्री किशन सिंह विष्ट	ग्राम एवं पोस्ट मण्डल जिला चमोली	42	सचिव	समाज कार्य
04	श्री सतेन्द्र परमार	श्री पूर्ण सिंह परमार	मन्दिर मार्ग गोपेश्वर चमोली	46	कोषाध्यक्ष	समाज कार्य
05	श्रीमती सुधा नेगी	श्री ताजवर सिंह नेगी	जीजीआईसी रोड गौचर चमोली	36	सहसचिव	सेवारत
06	श्रीमती प्रभा रावत	श्री जगजीवन सिंह रावत	ग्राम सिरोली पो0 मण्डल जिला चमोली	37	सदस्य	समाज कार्य
07	श्री युद्धवीर सिंह	श्री कुन्दन सिंह पुण्डीर	ग्राम –मोली पो0 कांचुला जिला चमोली	41	सदस्य	समाज कार्य

विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत स्टाफ की सूची

हिमाद शिक्षा प्रसार एवं प्रशिक्षण केन्द्र /स्वयं सेवक कार्यक्रम

क्र0 सं0	नाम	पिता/पति का नाम	पद	पता	शैक्षिक	उम्र	जति
1	डॉ0 डी0एस0 पुण्डीर	श्री हरि सिंह पुण्डीर	समन्वयक	ई0–16 शिवलोक कोलनी देहरादून	पी0एच0डी0 राजनितिक विज्ञान	50	सामान्य
2	देवेन्द्र नेगी	श्री रधुवीर सिंह नेगी	प्रबन्धक	ग्राम–पाडुली, पो0–कर्णप्रयाग, जिला–चमोली	स्नातक / एम0एस0 डब्ल्यू	32	सामान्य
3	नरेन्द्र गौड	श्री सुरेशानन्द	कैटीन प्रभारी	ग्राम गैड पो गैरसैण चमोली	हाईस्कूल	39	सामान्य
4	राकेश प्रसाद	श्री महिधर प्रसाद	कैटीन सहायक	ग्राम हटकोटी पो0 सोनला चर्मोाी	हाईस्कूल	26	सामान्य

- **चाईल्ड लाईन सेवा** 1098

क्र0 सं0	नाम	पिता/पति का नाम	पद	पता	शैक्षिक योग्यता	उम्र	जति
1	प्रभा रावत	श्री जगजीवन रावत	समन्वयक	ग्राम–सिरोली पो0–मंण्डल जिला–चमोली	स्नातक / एम0एस0 डब्ल्यू	38	सामान्य
2	विक्रम सिंह	श्री डब्बल सिंह रावत	टीम सदस्य	ग्राम– कुजौ–मैकोट, पो0– मैकोट	हाईस्कूल	30	अनु0जा
3	सुभाष कुमार	श्री जगत लाल	परामर्शदाता	ग्राम–गंगोल गांव ,	स्नात्कोत्तर	26	अनु0जाति
4	दीपक रावत	श्री भवान सिंह	टीम सदस्य	सुभाष नगर गोपेश्वर	स्नाकोत्तार	31	सामान्य
5	नीरज नेगी	श्री गुसाई सिंह नेगी	टीम सदस्य	मुर्गीफार्म गोपेश्वर	स्नातकोतर	30	सामान्य
6	भागीरथी रावत	स्व भवान सिंह	टीम सदस्य	ग्राम फरकन्डे पो0 फरकन्डे गैरसैण्ड	स्नातकोतर /एमएसडब्लू	32	सामान्य
7	रश्मि सनवाल	श्री किशन सिंह चौहान	टीम सदस्य	ग्राम–गोविन्द धाट पो0–पाडकेश्वर	इण्टर	28	सामान्य
8	रश्मि रावत	श्री सोहन सिंह	स्वयं सेवक सदस्य	ग्राम– कुजौ–मैकोट, पो0– मैकोट	स्नातक	26	सामान्य
9	प्रवीन विष्ट	श्री हरेन्द्र सिहं	स्वयं सेवक	ग्राम– पाडुली, पो0 सिमली	स्नातक	26	

मध्य हिमालयी पशुधन पहल योजना /सूक्ष्म वित्त ऋण योजना

क्र0 सं0	नाम	पिता/पति का नाम		पता	शैक्षिक योग्यता	उम्र	जति
10	उमाशंकर बिष्ट	श्री किशन सिंह बिष्ट	समन्वयक	ग्राम– मंण्डल, पो0–मंण्डल, जिला–चमोली	स्नात्कोत्तर /एम0एस0	42	सामान्य

					डब्ल्यू		
11	गजेन्द्र नेगी	श्री सुरेन्द्र सिंह नेगी	लेखाकार	ग्राम–गुडम, पो0–गुडम, जिला– चमोली	स्नातक	30	सामान्य
12	विजय बुटोला	श्री लक्ष्मण सिंह बुटोला	आजीविका सुगमकर्त्ता	ग्राम ग्वाली पो0 सकण्ड नन्द्रप्रयाग	एमएससी / एमएस डल्बू	35	सामान्य
13	रिंकी कंडेरी	श्री दीपक सिंह कंडेरी	सहायक आजीविका सुगमकर्त्ता	ग्राम मगरौली पो0 नन्दप्रयाग चमोली	बीएससी	29	सामान्य
14	दीपा रावत	श्री सोवन सिंह सनवाल	स्वयं सहायता समूह सहायक	ग्राम ढुगल्वाली चमोली	बीए	27	सामान्य
15	भगवती प्रसाद पुरोहित	स्व अजीतराम पुरोहित	सहकारिता सहायक	ग्राम क्वीराली पो0 मटई चमोली	एमए	39	सामान्य
16	अंजना कंडेरी	श्री धूम सिंह फरस्वांण	सहायक सहकारिता प्रबन्धक	ग्राम मगरौली पो0 नन्दप्रयाग चमोली	बीए	28	सामान्य
17	विनोद मंमगाई	स्व श्री कैन्हया प्रसाद	व्यापार प्रोत्साहक	ग्राम एवं पोस्ट सकण्ड चमोली	इण्टर	32	सामान्य
18	प्रेम बल्लभ सती	श्री भगवती प्रसाद	पैरावेट	ग्राम एवं पोस्ट मासौ चमोली	हाईस्कूल	31	सामान्य

- सूक्ष्म वित्त ऋण परियोजना नौटी कलस्टर

क्र0 सं0	नाम	पिता / पति का नाम	पद	पता	शैक्षिक योग्यता	उम्र	जति
01	प्रवीन चन्द्र	श्री सतेश्वर प्रसाद	समन्वयक	ग्राम नागली तहसील गैरसैण	एम0ए0	29	सामन्य
02	नवीन भण्डारी	श्री दलवीर सिंह भण्डारी	सहकारिता सहायक	ग्राम रानों पोस्ट गौचर चमोली	बीएससी	25	सामान्य
03	काजल रावत	श्री विनोद रावत	प्रेरक	ग्राम दियार कोट पो जाख	इण्टर	19	सामान्य
04	मधु	श्री जयवीर सिह		ग्रम एवं पोस्ट बैनोली	इण्टर	20	सामन्य

एडवोकेसी फॉर इकोनोमिक एण्ड सोसल राइट्स ऑफ अरबन पूवर इन यूपी एण्ड उत्तराखण्ड देहरादून

क्र0 सं0	नाम	पिता / पति का नाम	पद	पता	शैक्षिक योग्यता	उम्र	जति
01	डॉ0 डी0एस0 पुण्डीर	श्री हरि सिंह पुण्डीर	परियोजना निदेशक पार्टटाईम	ई0–16 शिवलोक कोलनी देहरादून	पी0एच0डी0 राजनितिक विज्ञान	50	सामान्य
02	अजय रावत		समन्वयक				
03	देवेन्द्र नेगी	श्री रघुवीर सिंह नेगी	प्रबन्धक	ग्राम–पाडुली, पो0–कर्णप्रयाग, जिला–चमोली	स्नातक / एम0एस0 डब्ल्यू	32	सामान्य

अखबारों की नजर में

सहारा

बृहस्पतिवार • 1 दिसम्बर •

स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से मिलेगा गरीबों को स्वरोजगार

■ गोपेश्वर।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत नौटी कलस्टर के 12 ग्राम पंचायतों में मिशन प्रबंधन इकाई कर्णप्रयाग, टाटा ट्रस्ट हिमोत्थान एवं हिमाद समिति द्वारा 46 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है।

नौटी में आयोजित कार्यशाला में हिमाद के सचिव उमाशंकर विष्ट ने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्र में गरीबी उन्मूलन के लिए मिशन के माध्यम से गरीब परिवारों की महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों का गठन किया जा रहा है।

हिमोत्थान/टाटा ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम अधिकारी दिवाकर पुरोहित ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की बैठकों में समूहों एवं ग्राम स्तरीय संगठनों की सूक्ष्म वित्त ऋण योजना तैयार कर उसी माध्यम से मिशन के तहत दी जाने वाली सामुदायिक निवेश निधि का उपयोग समूहों के सदस्यों के द्वारा किया जा रहा है। इस मौके पर उपरायी मां समूह की ममता देवी, बवीता देवी लाटू देवता समूह की पार्वती देवी, बद्रीनाथ समूह शकुंतला देवी, सरोज देवी, पुष्पा देवी, रेखा देवी, संगीता देवी, ऊषा देवी, प्रवीन बहुगुणा, काजल रावत,

देहरादून, 20 जनवरी 2017 दैनिक जागरण

समूहों को दिया उद्यमिता विकास का प्रशिक्षण

प्रशिक्षण
- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत दिया प्रशिक्षण
- महिला समूहों को बढ़चढ़ कर आगे आने को कहा

संवाद सहयोगी, गोपेश्वर: टाटा ट्रस्ट, हिमोत्थान तथा हिमाद समिति की ओर से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत कर्णप्रयाग विकासखंड के सोनला कलस्टर के स्वयं सहायता समूहों को उद्यमिता का प्रशिक्षण दिया गया।

न्याय पंचायत सोनला के सभागार में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण के समापन अवसर पर टाटा ट्रस्ट हिमोत्थान के समन्वयक दिवाकर पुरोहित ने कहा कि सहकारिता के माध्यम से मौजूदा समय में डेयरी व्यवसाय, टाटा टी विपणन, कृषि उत्पादों का संग्रहण एवं विपणन और सामुदायिक सूचना केंद्रों का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन उद्यमों के सफल संचालन के लिए सभी सदस्यों को सहकारिता की ताकत, चुनौतियों, अवसर व बाधाओं की व्यापकता को समझना होगा।

... ने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत ग्राम स्तरीय संगठनों व स्वयं सहायता समूहों की सूक्ष्म ऋण वित्त योजना बनाई गई है। सहकारिता की संरक्षक अमृता रावत ने कहा कि महिलाओं की आर्थिक समृद्धि के लिए सहकारिता मील का पत्थर साबित हो रही है। इस अवसर पर दिवाकर जोशी, त्रिशूली प्रोड्यूसर कंपनी के प्रतिनिधि कमला देवी, एकता स्वायत्त सहकारिता की उपाध्यक्ष सरस्वती देवी, कल्पना जोशी, सचिव अनीता देवी, सरला

सहारा

कम्प्यूटर का ज्ञान जरूरी : रावत

■ गोपेश्वर।

...ज्योति महिला कल्याण संस्थान एवं उत्तराखंड सेवा निधि ...मोड़ा के संयुक्त तत्वावधान में नगर क्षेत्र के गंगोलगांव में ...शुल्क कंप्यूटर शिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया।

गंगोलगांव में निःशुल्क कम्प्यूटर शिक्षण केंद्र का ...रंभ करते हुए पालिकाध्यक्ष संदीप रावत ने ...कि मौजूदा दौर में नौनिहालों को कम्प्यूटर ...ज्ञान होना जरूरी है। उन्होंने संस्था द्वारा किए ...रहे प्रयास की सराहना की और कम्प्यूटर देने ...आश्वासन दिया। कार्यक्रम में सिविल जज ...(सीनियर डिविजन) रवि प्रकाश शुक्ला ने कहा ...वैज्ञानिक दौर में अपने उद्देश्यों की पूर्ति के ...नौनिहालों को कम्प्यूटर का ज्ञान जरूरी है। ...ज्योति के सचिव महानंद विष्ट ने कहा कि ...द्वारा इससे पूर्व में दोगड़ी-कांडई, टंगसा, ...नगर आदि गांवों में निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण बच्चों को दिया गया है। उन्होंने कहा कि सेंटर संचालन की जिम्मेदारी महिला संगठन को सौंपी गई है। इस मौके पर पालिका सभासद माहेश्वरी देवी, ममंद ... राखी देवी, कमल सिंह रावत, उदय सिंह रावत, हिमाद के सचिव उमाशंकर विष्ट, मनीष सिंह, मंजू देवी, भरत ... रावत आदि थे।

कम्प्यूटर सैंटर का उदघाटन करते पालिकाध्यक्ष रावत व अन्य।

देहरादून। बुधवार • 7 दिसम्बर • 2016 सहारा

...त्र-छात्राओं से नशे से दूर रहने की अपील

■ गोपेश्वर।

...विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा ...की संस्थान कोठियालसैण में ...शिविर में छात्रों को नशीले पदार्थों ...सेवन से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों के ...में विस्तृत जानकारी देते हुए इनसे दूर रहने ...अपील की गई।

...शिविर को संबोधित करते हुए सिविल ...व विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ...प्रकाश शुक्ला ने कहा कि नशीले पदार्थों ...सेवन से शरीर में अनेक प्रकार की ...रियां उत्पन्न हो जाती हैं। इसलिए छात्र ...ओं को नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रह ...समाज में भी लोगों को जागरूक करने के ...आगे आना चाहिए। संस्थान के निदेशक ... से छात्र-छात्राओं के साथ ही आम जनता में जन जागरूकता लाई जा सकती है। पीएलवी उमाशंकर विष्ट ने छात्र-छात्राओं से नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने की अपील की। इस अवसर पर पैनल अधिवक्ता ज्ञानेंद्र खंतवाल, विधि विवि के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. वीसी चौबे, डा. भारती कालरा, डा. ... चौहान, डा. अजय गैरोला, डा. अभिषेक ... आशुतोष, डा. मनोज पाठक, मदन सिंह ... कालिका प्रसाद सेमवाल, मनोज ... शिल्पी विष्ट, नवीन नेगी, संजीव सिंह, ... सिंह आदि ने विचार रखे।

देहरादून। शनिवार • 29 अक्टूबर • 2016 सहारा

बैंक लिंकेज से महिलाओं की आर्थिक समृद्धि पर जोर

नौटी क्षेत्र में 46 स्वयं सहायता समूहों का किया गया गठन

शिविर में नियमित बैंक बचत की दी गई जानकारी

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कर्णप्रयाग।

...य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत ...क्षेत्र में 46 स्वयं सहायता समूहों का ...कर बैंक लिंकेज के जरिए महिलाओं ...आर्थिक समृद्धि पर जोर दिया गया।

मिशन प्रबंधन इकाई कर्णप्रयाग, टाटा ..., हिमोत्थान एवं हिमाद समिति के ...वधान में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका ...न के तहत नौटी ...स्टर के 12 ग्राम ...तों में 46 स्वयं ...यता समूहों का ...न किया गया। ...तीय स्टेट बैंक ...के सहयोग से इन ...स्वयं सहायता समूहों का बैंक खाता ...ने के लिए बैंक लिंकेज शिविर ...योजित किया गया।

शिविर को संबोधित करते हुए हिमाद के ...व उमाशंकर विष्ट ने कहा कि राष्ट्रीय ...ण आजीविका मिशन के तहत ग्रामीण ...में गरीबी उन्मूलन के लिए मिशन के ...से गरीब परिवारों की महिलाओं ... किया गया है।

उन्होंने कहा कि समूहों के सदस्यों द्वारा साप्ताहिक बचत के लिए बैंक खाता खोला जा रहा है। इसके साथ ही समूहों के सदस्यों को नियमित बैठक कर बचत, आंतरिक ऋण, दस्तावेजीकरण के माध्यम से भी क्षमता का विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मिशन के प्रथम चरण में समूहों का गठन, कौशल विकास, ग्राम स्तरीय संगठनों का गठन एवं कलस्टर स्तरीय सहकारिता का पंजीकरण किया जाएगा। स्थानीय संसाधनों पर आधारित आजीविका संवर्धन को महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से स्वरोजगार प्राप्त किया जा सकता है। महिलाएं समूह के माध्यम से लघु उद्यमों को विकसित कर स्थानीय उत्पादनों का संग्रहण एवं विपणन कर अपनी आजीविका के साधनों में वृद्धि कर सकती हैं।

हिमाद के आजीविका सुगमकर्ता विजय बुटोला ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की बैठकों में समूहों एवं ग्राम स्तरीय संगठनों की ... तहत दी जाने वाली सामुदायिक निवेश ... का उपयोग समूहों के सदस्यों के द्वारा ... जा रहा है। इस मौके पर समन्वयक ... बहुगुणा ने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों का गठन कर जहां महिलाओं को ... बढ़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है वहीं ... उद्यमों एवं स्थानीय उत्पादनों के माध्यम से स्वरोजगार प्राप्त हो रहा है।

शिविर में भारतीय स्टेट बैंक नौटी ... शाखा प्रबंधक कमल किशोर पंत द्वारा ... समूहों के बैंक खाता खोलने के आवश्यक दस्तावेजों का अवलोकन कर समूहों ... नियमित बैंक बचत के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समय-समय पर ... की ग्रेडिंग की जाएगी।

इस अवसर पर नंदा देवी स्वयं सहायता समूह नैणी की अध्यक्ष ... देवी, गौरा देवी स्वयं सहायता समूह ... की अध्यक्ष संजया नौटियाल, भागीरथी स्वयं सहायता समूह पुड़ियाणी की ... देवी, भगवती स्वयं सहायता समूह की ... देवी, तोली की पिंकी देवी, राजेश्वरी ... पुष्पा देवी, सीमा देवी, कुसुमलता ... अनीता देवी, हिमाद की दीपा रावत, ...

सरकारी योजनाओं के लिए जागरूकता जरूरी : शुक्ला

गोपेश्वर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रविप्रकाश शुक्ला ने कहा है कि गरीबी उन्मूलन के लिए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों को ...ने के लिए व्यापक जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया जाना चाहिए।

प्राधिकरण के तत्वावधान में हिमाद शिक्षा प्रसार प्रशिक्षण केंद्र हड़ाकोटी में आयोजित शिविर में गरीबी उन्मूलन के लिए चलाई जा रही सरकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार पर जोर दिया गया। इस मौके पर प्रतिभागियों को विभिन्न कानूनी जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर प्राधिकरण के सचिव व सिविल जज (सीनियर डिविजन) रविप्रकाश ने कहा कि सरकार द्वारा गरीबी उन्मूलन के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही है लेकिन योजनाओं की जानकारी न होने से इसका लाभ आम लोगों को नही मिल पा रहा है। कहा कि ग्रामीण परिवेश में रहने ... किए जाने के लिए विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निशुल्क अधिवक्ता मुहैया करवाए जाने का प्रावधान है।

उन्होंने कहा कि देश में गरीबों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। शिविर को संबोधित करते हुए हिमाद के सचिव उमाशंकर विष्ट ने कहा कि स्वरोजगार के क्षेत्र मे युवाओं को आगे आने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों को मजबूत किए जाने के लिए बेहतर प्रयास किए जा रहे हैं। जिला बाल कल्याण समिति के सदस्य व नवज्योति के सचिव महानंद विष्ट ने कहा कि मनरेगा के तहत श्रमिकों को कार्य मुहैया कर गरीबी दूर किए जाने का प्रयास किया जा रहा है। कहा कि युवाओं को अपना भविष्य तलाशने के लिए सही मार्गदर्शन की जरूरत है। इस मौके पर देवेंद्र सिंह नेगी, महेंद्र कुमार शर्मा, आरती, मीनाक्षी, सरिता, पंकज मनीष आदि ...

मंगलवार • 11 अक्टूबर • 2016 सहारा

मानसिक रोगियों के साथ सहानुभूति जताएं : रवि

मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर शिविर आयोजित

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

गोपेश्वर।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रविप्रकाश ने कहा है कि मानसिक रोगियों के साथ सहानुभूति से पेश आने से ही उनके हालातों में बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने इसके लिए जन जागरूकता कार्यक्रम संचालित करने पर भी जोर दिया।

जिला चिकित्सालय में मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर आयोजित शिविर को संबोधित करते हुए रवि प्रकाश ने कहा कि भारत के प्रत्येक व्यक्ति को जीवन जीने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि मानसिक मरीजों को भी बेहतर जीवन जीने का अधिकार हासिल है।

पालिकाध्यक्ष संदीप रावत ने कहा कि इस प्रकार के शिविरों से आम लोगों को कानूनों की जानकारी तो मिलती है। साथ ही सरकार की विभिन्न योजनाओं से जोड़ने में मदद भी मिली है। हिमाद के सचिव व जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के माध्यम से आयोजित शिविरों के तहत आम लोगों दी जानी वाली कानूनी सहायता के बारे में जानकारी दी।

नवज्योति के सचिव महानंद विष्ट ने कहा कि मानसिक रोगियों की समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। इसलिए ऐसे रोगियों को चिह्नित कर स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने का प्रयास किया जाना चाहिए। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. बीके शुक्ला ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न सेवाओं की जानकारी देकर लोगों से इन सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील की। बाल रोग विशेषज्ञ डा. एस झा ने मनोरोग से पीड़ित बच्चों के लक्षणों की जानकारी देते हुए कहा कि समय से इन प्रकार के रोगियों को चिकित्सकों की सलाह लेनी जरूरी है। इस मौके पर दशोली के पूर्व प्रमुख भगत सिंह बिष्ट, डा. विनय जोशी, पुलिस उपाधीक्षक ...

हिन्दुस्तान

गोपेश्वर में मरीजों को दी कानूनी जानकारी

शिविर में कानूनी की दी जानकारी

अमर उजाला मंगलवार, 11 अक्तूबर 2016

मानसिक रोगियों के साथ रखें सहानुभूति

दैनिक जागरण

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने पर दिया जोर

- न्याय पंचायत सोनला में एकता स्वायत्त सहकारिता की वार्षिक साधारण सभा आयोजित

संवाद सहयोगी, गोपेश्वर: राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, हिमाद, हिमोत्थान, टाटा ट्रस्ट के तत्वावधान मे न्याय पंचायत सोनला मे एकता स्वायत्त सहकारिता की वार्षिक साधारण सभा में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने पर जोर दिया गया।

इस मौके पर खंड विकास अधिकारी कर्णप्रयाग नरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए यह मिशन एक कारगार कदम है। कहा कि इस मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों, ग्राम्य स्तरीय संगठनों व कलस्टर स्तरीय सहकारिता को सामुदायिक विकास निधि के माध्यम से स्थानीय संसाधनों पर आधारित आर्थिक गतिविधियों के उद्यमों को स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस अवसर पर हिमोत्थान के समन्वयक दिवाकर पुरोहित ने कहा कि अब तक गठित 105 स्वयं सहायता समूहों के साथ 10 ग्राम स्तरीय संगठनों का गठन सोनला ... तहत स्थानीय संसाधनों पर आधारित उद्यमों को विकसित करने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन कारगर कदम है। उन्होंने कहा कि सोनला न्याय पंचायत मे समूहों के माध्यम से डेयरी, पशुपालन, कुक्कुट पालन आदि गतिविधियो के माध्यम से महिलाओं को रोजगार दिया जा रहा है। विपणन व उत्पादन के लिए इस क्षेत्र मे महिलाओं को प्रेरित किया जा रहा है। कहा कि वर्ष 2016-17 के लिए एकता स्वायत्त सहकारिता की कार्ययोजना भी तैयार ... अनुमोदन किया गया है। कार्यक्रम मे एकता स्वायत्त सहकारिता का गठन कर कमला देवी अध्यक्ष, सतेश्वरी देवी उपाध्यक्ष, कल्पना ... कोषाध्यक्ष, संरक्षक अमृता रावत को चुना गया। बैठक मे सहायक खंड विकास अधिकारी ...

बंजर भूमि पर चारा प्रजाति के पौधे रोपे

दैनिक जागरण

महिलाओं को सूखे से निपटने के गुर बताए

गोपेश्वर: स्वयं सेवी संस्था हिमाद की ओर से सोनला न्याय पंचायत के गांवों में महिलाओं को सूखे से निपटने के गुर बताए गए।

पंजाब स्टेट काउंसिल फार साइंस एंड टैक्नोलॉजी चंडीगढ़ और केंद्रीय वन मंत्रालय के सहयोग से हिमाद समिति से सोनला न्याय पंचायत के सभागार में आयोजित पर्यावरण संरक्षण गोष्ठी को संबोधित करते हिमाद के सचिव उमाशंकर विष्ट ने कहा कि आज जलवायु परिवर्तन के कारण पर्यावरण पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। हिमाद की समन्वयक प्रभा रावत ने कहा कि बदलते मौसम के कारण आज विश्व पर्यावरण संकट से जूझ रहा है। कार्यक्रम में एकता स्वायत्त सहकारिता की ...

फल किए वितरित

महिलाएं बचत कर करें आर्थिकी मजबूत: बिष्ट

देहरादून • वृहस्पतिवार • 8 सितम्बर • 2016 | सहारा | www.rashtriyasahara.com

महिलाओं को दी आर्थिकी सुधारने की जानकारी

देहरादून, 15 अगस्त 2016

आजीविका संवर्धन के लिए महिलाएं आएं आगे : बिष्ट

- स्वरोजगार कार्यक्रम के तहत हड़कोटी में पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन
- एलईडी बल्ब पर डिजाइन बनाकर खुल सकती है रोजगार की राह

देहरादून | शनिवार • 23 जुलाई • 2016

महिलाओं को दी कानून व स्वरोजगार की जानकारी

- स्थानीय संसाधनों के जरिए हो आजीविका संवर्धन : रविप्रकाश
- देवाड़ी कांडई में शिविर आयोजित

राइंका बैरांगना में रोपे रुद्राक्ष के पौधे

देहरादून | बुधवार • 13 जुलाई • 2016 | सहारा

जीआईसी बैरागना में चला पौधरोपण अभियान

मिशन 1 करोड़ पौधे

देहरादून 24 जुलाई 2016

धरा को हराभरा करने को मातृशक्ति आयी आगे

महिला स्वयं सहायता समूह ने चलाया पौधरोपण अभियान

समूहों की आर्थिकी सुधार रहा आजीविका मिशन

सहारा • 11 जुलाई • 2016

समूहों के माध्यम से स्वरोजगार अपनाने का आह्वान

के हों सामूहिक प्रयास

बच्चों की सुरक्षा वयस्कों पर है निर्भर

महिलाओं को आर्थिक तौर पर सक्षम बनाने की पहल

- हिमाद समिति ने महिलाओं को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की दी जानकारी
- स्वयं सहायता समूहों को स्वरोजगार को दी जा रही वित्तीय मदद

रविवार | देहरादून | 5 अप्रैल 2015

स्वीडन के छात्रों ने जानी दिनचर्या

महिलाओं को बताया पहाड़ की अर्थव्यवस्था की रीढ़

माता-पिता को मुआवजा पाने का कानूनी अधिकार : शुक्ला

वटवृक्ष बना एक छोटा सा पौधा

उत्पादन के जरिये टाटा ट्रस्ट ने दिखाई महिलाओं स्वरोजगार की राह

महिलाओं को दी स्वावलंबन की जानकारी

मालती के निधन पर शोक जताया

देहरादून | शुक्रवार • 24 मार्च • 2017 | सहारा

आर्थिक विकास में भागीदार बनने का किया आह्वान

गोपेश्वर/एसएनबी।

शिविर में दी कानून की जानकारी

एसिड अटैक के बारे में दी छात्र-छात्राओं को विधिक पहलू बताए

दैनिक जागरण

1098 ने की 227 बच्चों की मदद

2014 में की गई थी चमोली जिले में चाइल्ड हेल्प लाइन की शुरुआत

विशेष